स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा
तृतीय वर्ष / सेमिस्टर 5 / इलेक्टिव DSE 1 विशेष पत्र
खण्ड - 'क'
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 'ठकुरी बाबा के चरित्र में उदारता एवं आतिथ्य कूट-कूट कर भरा है" महादेवी वर्मा के इस कथन के आलोक में ठकुरी बाबा का चरित्र चित्रण करें।

2. 'भेड़ और भेड़िये' हरिशंकर परसाई की एक प्रतीकात्मक रचना है- सिद्ध कीजिए।

3. 'क्या भूलूँ, क्या याद करूँ' की समीक्षात्मक व्याख्या प्रस्तुत करें।

4. धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

व्याख्या

1. "अशक्ति के कारण घी-रहित और पथ्य के कारण मिर्च अचार आदि के बिना ही खिचड़ी खाती हूँ। यह अनेक बार कहने पर भी वृद्ध नहीं माना और मेरी खिचड़ी पर दानेदार घी और थाली में एक और अचार रख दिया।"

2. "याद सुखों की आँसू लाती
दुःख की, दिल भारी कर जाती
दोष किसे दूँ जब अपने से ही
अपने दिन बर्बाद करूँ मैं
क्या भूलूँ, क्या याद करूँ मैं"

3. "उधर एक स्थान पर सहस्त्रों कोढ़ें एकत्री हो गई थीं, उस संत के दर्शन के लिए, जिसकी चर्चा बूढ़े सियार ने फैला रखी थी। बूढ़े सियार ने एक बार जोर से संत कोढ़ियों की जय बोली। कोढ़ों में पहले से ही बैठे सियारों ने भी जयध्वनि की।"

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय दें।

2. रिपोर्ताज क्या है?

3. ठकुरी बाबा की भक्तिन का चरित्र-चित्रण करें।

4. व्यंग्यकार के रूप में हरिशंकर परसाई का परिचय दें।

5. लाल कनेर के फूल का विश्लेषण करें।

6. हरिवंशराय बच्चन का साहित्यिक परिचय दें।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

i) हरिशंकर परसाई जी का जन्म कब हुआ था?

क 1924 (ख) 1925 (ग) 1926 (घ) 1927

ii) 'प्रेमचन्द के फटे जूते' किसकी रचना है?

क) शरद जोशी (ख) हरिशंकर परसाई (ग) प्रेमचन्द (घ) महादेवी वर्मा

iii) 'ठेले पर हिमालय' के लेखक कौन हैं?

क) निर्मल वर्मा (ख) धर्मवीर भारती (ग) शरद जोशी (घ) सुमित्रानन्दन पंत।

11. "स्मृति की रेखाएं" किसकी रचना है?

(क) धर्मवीर भारती (ख) महादेवी वर्मा (ग) अज्ञेय (घ) नागार्जुन।

12. "मधुशाला" के रचनाकार हैं?

(क) हरिवंशराय बच्चन (ख) प्रेमचन्द (ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (घ) जयशंकर प्रसाद।

खण्ड ख

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कहानी कला के आधार पर 'कफन' कहानी की समीक्षा करें।

2. 'गबन' प्रेमचन्द की आदर्शोन्मुख यथार्थवादी रचना है' — सिद्ध करें।

3. "किसी समस्या का समावेश कहानी को आकर्षक बनाने का सबसे उत्तम साधन है" — प्रेमचन्द के इस कथन को पाठ्यक्रम दिये गये किसी एक कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

4. गबन के कथानायक - रमानाथ का चरित्र-चित्रण करें।

5. व्याख्या

i) "घीसू खड़ा हो गया और जैसे उल्लास की लहरों में तैरता हुआ बोला — हाँ बेटा! बैकुण्ठ में जायेगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते मरते हमारी जिन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई।"

2. बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया और स्नेह भी, वह नहीं जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ।

3. अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान कहुधा हमारा संकुचित व्यवहारों का सुधारक होता है। जब हम राह भूल कर भटकने लगते हैं, तब यही ज्ञान हमारा विश्वसनीय पथ-प्रदर्शक बन जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 जलपा का चरित्रांकन करें
2. गबन शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।
3 प्रेमचन्द का साहित्यिक परिचय दें।
4 'ईदगाह' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत करें।
5. कहानी कला से सम्बन्धित प्रेमचन्द के कुछ विचारों का उल्लेख कीजिए।

6 प्रेमचन्द की कहानी 'सद्गति' की कथावस्तु प्रस्तुत करें।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. : 'गोदान' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
क) तुलसीदास ख) प्रेमचन्द ग) अज्ञेय घ) गुलाब राय
2 जुम्मन शेख : किस कहानी का पात्र है?
क) पंच परमेश्वर ख) ईदगाह ग) मछुआ घ) पूस की रा

3. गबन में जलपा के माध्यम से नारी की किस प्रवृ को उद्घाटित किया गया है?
क) चपलता ख) शिक्षा के प्रति रुझान ग) आभूषण प्रियता घ) ईर्ष्या।

.. 'बड़े घर की बेटी' के कहानीकार हैं?
क) निर्मल वर्मा ख) जयशंकर प्रसाद, ग) प्रेमचन्द घ) जैनेन्द्र

1. दुखी चमार किस कहानी का पात्र है?
सद्गति ख) कफन, ग) ईदगाह घ) ठाकुर का कुंआ।